भारत सरकार

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 1798

10 फरवरी 2026 को उत्तरार्थ

विषय: बीज ग्राम योजना

1798. श्री संदिपनराव आसाराम भुमरेः

श्री ज्ञानेश्वर पाटीलः

क्या **कृषि और किसान कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश के उन जिलों के नाम क्या हैं जिनमें बीज ग्राम योजना लागू की जा रही है और विशेषकर छत्रपति संभाजीनगर जिले सहित उक्त कार्यक्रम से अब तक लाभान्वित हुए किसानों की संख्या कितनी है;

(ख) क्या महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में बीज वितरण प्रक्रिया में समय पर वितरण और गुणवत्ता नियंत्रण सुनिश्चित करने के लिए कोई डिजिटल पोर्टल/निगरानी प्रणाली अपनाई गई है;

(ग) यदि हां, तो उक्त प्रणाली संचालित करने वाली एजेंसी का नाम क्या है और उसमें किसानों की भागीदारी सुनिश्चित करने का तरीका क्या है; और

(घ) छत्रपति संभाजीनगर जिले सहित महाराष्ट्र के संबंध में ब्यौरा क्या है?

उत्तर

कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री (श्री रामनाथ ठाकुर)

(क): बीज ग्राम कार्यक्रम को बीज एवं पौध सामग्री उप-मिशन (एसएमएसपी) के अंतर्गत कार्यान्वित किया जा रहा था और अब यह राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं पोषण मिशन (एनएफएसएनएम) के बीज घटक का हिस्सा बन गया है। "बीज ग्राम कार्यक्रम" घटक को अब 'नई किस्मों के बीजों के संवर्धन हेतु सहायता' के रूप में पुनर्संरचित किया गया है। यह महाराष्ट्र के 34 जिलों और मध्य प्रदेश के 55 जिलों में कार्यान्वित किया जा रहा है। वर्ष 2024-25 के दौरान, महाराष्ट्र में इस स्कीम से 3,39,551 किसान लाभान्वित हुए हैं, जिनमें छत्रपति संभाजीनगर जिले के 12,548 किसान शामिल हैं। इसी प्रकार, वर्ष 2024-25 के दौरान मध्य प्रदेश में 2,84,250 किसान लाभान्वित हुए हैं ।

(ख) से (घ): महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश दोनों सरकारों ने सभी जिलों (छत्रपति संभाजीनगर जिले सहित) में भारत सरकार द्वारा विकसित बीज प्रमाणीकरण, पता लगाने की क्षमता और समग्र सूचीकरण (साथी) पोर्टल को कार्यान्वित किया है जिसका उद्देश्य संपूर्ण आपूर्ति श्रृंखला में बीजों की डिजिटली पता लगाने की क्षमता को सक्षम बनाना, पारदर्शिता बढ़ाना और नकली/निम्नस्तर के बीजों के परिचालन को रोकने में सहायता करना तथा बीज वितरण प्रक्रिया में गुणवत्ता नियंत्रण सुनिश्चित करना है। इसके अतिरिक्त, वर्ष 2025-26 से मध्य प्रदेश में बीज वितरण प्रक्रिया में समय पर वितरण और गुणवत्ता नियंत्रण सुनिश्चित करने के लिए "एम.पी. किसान" डिजिटल पोर्टल/निगरानी प्रणाली का भी उपयोग किया जा रहा है।

*****